महाविद्यालय कोड - 5084

NAND KISHOR KAILASH CHANDRA MAHAVIDYALAYA

तमसो माँ ज्योतिर्गमय

NKKC

सम्बद्ध – लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

नन्द किशोर कैलाश चन्द्र महाविद्यालय

"Education is the movement from darkness to Light"

B.Sc. & B.Com.

प्रवेश फार्म एवं विवरण पुस्तिका

PROSPECTUS

Discovering Self Anew

President / Director Speak

संतोष कुमार वर्मा
अध्यक्ष एवं निदेशक

WELCOME

जिस शिक्षा से हम अपना जीवन निर्माण कर सकें, मनुष्य बन सके, चरित्र गठन कर सकें और विचारों का सामंजस्य कर सकें। वही वास्तव में शिक्षा कहलाने योग्य है।

–स्वामी विवेकानन्द

आज समाज को ऐसी शिक्षा की जरूरत है जो पौराणिक सभ्यता को समेटे हुए आधुनिक तर्कों के माध्यम से बालक/बालिकाओं में नयी सोच जागृत करे, एक ऐसी शिक्षा जिसमें मानव का समुचित विकास हो। विकास के इस युग में शिक्षा एक ऐसी जरूरत है जिसके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। हम यह कह सकते हैं कि शिक्षा मानव के सामाजिक, मानसिक तथा बौद्धिक विकास की नींव है और इसे मजबूत करने के लिए हमें प्रयत्नशील रहना होगा। हमें अपनी सोच की दिशा को बदलना होगा, एक ऐसी शुरूआत करनी होगी जिसमें हमारे संस्कार के साथ आधुनिक जीवन के विभिन्न सोपानों का समावेश हो। संस्कारों को नई शिक्षा पद्धति में स्वीकार करना होगा क्योंकि संस्कारित शिक्षा के द्वारा ही समाज का विकास सम्भव है।

आज नन्द किशोर कैलाश चन्द्र महाविद्यालय बिसवां सीतापुर विज्ञान एवं वाणिज्य की शिक्षा प्रदान कर क्षेत्र के उन तमाम बालक बालिकाओं को जो तमाम अभावों के कारण बी.एस.सी. व बी.काम. की शिक्षा पाने से वंचित रह जाते थे, शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। हमारा निरंतर प्रयास है कि हमारे महाविद्यालय में अध्ययनरत बच्चे जो कि आज जनपद में अपना परचम फहरा रहे हैं वे आने वाले समय में प्रदेश स्तर पर अपना व अपने महाविद्यालय का नाम रोशन करें यही मेरी सच्ची साधना व कामना है।

श्री राकेश वर्मा
संस्थापक एवं उपाध्यक्ष

WELCOME

संस्थापक की कलम से...

**'शिक्षा हमारे समाज की आत्मा है
जो कि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को दी जाती है।'**

दूरदर्शिता एवं नई सोच

नन्द किशोर कैलाश चन्द्र महाविद्यालय टिकरा, बिसवाँ, सीतापुर आज जनपद का ऐसा प्रथम महाविद्यालय है जहां पर प्रत्येक वर्ष सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर महाविद्यालय ही नहीं हमारे क्षेत्र व जनपद का नाम रोशन कर शिक्षा को नया आयाम देकर आज वैज्ञानिक व वाणिज्यिक पद्धतियों के माध्यम से आने वाली चुनौतियों का डट कर मुकाबला कर रहें हैं।

आज हमारा पहला कर्तव्य बनता है कि अपने बालक/बालिकाओं को ऐसी शिक्षा दें जिससे उनकी सोच को नयी दिशा मिल सके। इतना ही नहीं उनके अन्दर स्वावलम्बी बनने की भावना जागृत करनी होगी, एक ऐसी विश्वस्तरीय शिक्षा की व्यवस्था करनी होगी जिसमें ज्ञान-विज्ञान के साथ ही रोजगार की भी सुविधा हो। हम समस्त छात्र/छात्राओं के बहुमुखी विकास के लिए उनमें सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना, राष्ट्रीयता एवं अनुशासन, सत्यनिष्ठा, कर्मशीलता, न्यायप्रियता आदि विचार-भावना विकसित करने के लिए कटिबद्ध हैं। समन्वय एवं पारस्परिक सामंजस्य के आधार पर मानवीय मूल्यों को स्थापित करना ही हमारा अभीष्ट है। हमने प्रयास किया है कि संस्था के प्रत्येक छात्र/छात्रा को एक उद्देश्यपरक शिक्षा मिले जिससे उनके विकास को नयी राह मिले।

राकेश कुमार वर्मा

महाविद्यालय – एक संक्षिप्त परिचय

नन्द किशोर कैलाश चन्द्र महाविद्यालय दो ऐसी सामाजिक, शैक्षिक आत्माओं का संगम है जो समाज में शिक्षा के प्रचार–प्रसार के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन की कामना अपने मन–मानस में संजोये हुए थे। श्रीमती सरोज वर्मा जी अपने पूज्य पुण्यलोक स्वशुर स्व० नन्दकिशोर तथा श्री राकेश वर्मा जी अपने पूज्य पिता पुण्यलोक स्व० कैलाश चन्द्र की स्मृति में सीतापुर जनपद में नन्द किशोर कैलाशचन्द्र महाविद्यालय बिसवाँ से 4 कि०मी० दक्षिण टिकरा में स्थापित किया। इस महाविद्यालय की स्थापना क्षेत्र में विज्ञान वर्ग (बी.एस.सी. एवम् वाणिज्य वर्ग बी.काम.) की उच्च शिक्षा से वंचित ऐसे बच्चे जो इण्टरमीडिएट की शिक्षा के उपरान्त बी.एस.सी. व बी.काम. करने की भावनाएं अपने मन में संजोए, साधन–सुविधा के अभाव मे साकार एवं मूर्तरूप नहीं ले पा रही हैं उनको वैज्ञानिक व वाणिज्यिक शिक्षा के माध्यम से शिक्षित कर क्षेत्र के विकास की मुख्य धारा से जोड़ना है जिससे कि भूमण्डलीकरण के इस दौर में ग्रामीण अंचल के बच्चे बदलते हुए आधुनिक शैक्षिक परिवेश में अपने को ढाल सकें तथा प्रगति के शिखरों पर आरोहित होकर अपने वर्तमान और भविष्य को नई दिशा एवं आयाम दे सकें।

महाविद्यालय के बारे में

उद्देश्य

महाविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य एक पिछड़े क्षेत्र में वैज्ञानिक व वाणिज्यिक शिक्षा के माध्यम से समाज में एक ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण करना है जो वर्तमान में समाज को आधुनिक, भौतिक, सामाजिक और अध्यात्मिक वातावरण के अनुकूल पूर्ण विकसित होकर जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सकें।

भवन

महाविद्यालय का भवन बिसवाँ– लखनऊ रोड पर बिसवाँ से 4 किमी० दक्षिण टिकरा में स्थित है, यहाँ आवश्यक सुविधाओं से युक्त व्याख्यान कक्षायें, पुस्तकालय, वाचनालय, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान व वनस्पति विज्ञान की आधुनिक व प्रायोगिक उपकरणों से युक्त प्रयोगशालायें, प्रशासनिक भवन, प्राचार्य कक्ष, सहायक आचार्य कक्ष, बालक बालिका कक्ष, कम्प्यूटर कक्ष, प्रतीक्षा कक्ष पर्याप्त फर्नीचर व बड़ा खेल मैदान है।

शिक्षा व्यवस्था

वर्तमान सत्र में महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय के अन्तर्गत बी०एस०सी० (बायो) व (मैथ्स) तथा वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत बी०काम० पाठ्यक्रम की सहशिक्षा (बालक एवं बालिकाएं) प्रदान की जा रही है।

महाविद्यालय में उपलब्ध पाठ्यक्रम-

महाविद्यालय में अध्ययन हेतु (बालक/बालिकाओं) स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय के अन्तर्गत बी०एस०सी० (बायो) एवं (मैथ्स) तथा वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत बी०काम० पाठ्यक्रम की व्यवस्था है।

विज्ञान संकाय (बी.एस.सी.)

जीव विज्ञान (Bio-ZBC)

गणित (Maths-PCM)

1. जन्तु विज्ञान (Zoology)
2. वनस्पति विज्ञान (Botany)
3. रसायन विज्ञान (Chemistry)

1. भौतिक विज्ञान (Physics)
2. रसायन विज्ञान (Chemistry)
3. गणित (Mathematics)

वाणिज्य संकाय (बी.कॉम.)

बी०काम० (B.Com)

सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु सीट संख्या निर्धारित है।

प्रवेश प्रक्रिया–

आवेदन पत्र भरने से पूर्ण नियमों को भलीभांति पढ़ लेना चाहिए।

विज्ञान संकाय– बी०एस०सी० (B.Sc.)

A. B.Sc. - Bio (ZBC)

B. B.Sc.-Maths (PCM)

वाणिज्य संकाय– बी०काम० (B.Com.)

स्नातक स्तर पर बी०एस०सी० एवं बी०काम० में प्रवेश हेतु इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण हो।

राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S)

महाविद्यालय की स्थापना के उद्देश्य को आगे बढ़ाने हेतु महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से अध्ययन छात्र–छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में राष्ट्रीय सेवा योजना का बड़ा योगदान है। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना का शुभारम्भ शासन द्वारा आवंटित 1 ईकाई का सत्र–2022–23 से हो रहा है।

जिसका उद्घाटन लखनऊ वि0वि0 की राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठतम कार्यक्रम अधिकारी प्रो0(डा0) ऋषि कुमार मिश्र ने किया। इस योजना के माध्यम से क्षेत्र में सामाजिक समरसता हेतु स्वयं सेवक गाँव–गाँव जाकर अपने कार्यक्रम अधिकारी श्री पुष्पेन्द्र सिंह के निर्देशन व मार्गदर्शन में काम करेंगे तथा आज के आधुनिक परिवेश में स्वयं को स्थापित करने का काम करेंगे। इन्ही तमाम उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए नन्द किशोर कैलाश चन्द्र महाविद्यालय आज जनपद के प्रमुख महाविद्यालय माना जा रहा है।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सिद्धांत वाक्य अथवा प्रत्यवचन है, स्वयं से पहले आप (NOT ME BUT YOU)

पुष्पेन्द्र सिंह
कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य

1. लोगों के साथ मिलकर कार्य करना।
2. स्वयं को सृजनात्मक और स्वनात्मक सामाजिक कार्यों में प्रवृत्त करना।
3. स्वयं तथा समुदाय की ज्ञान वृद्धि करना।
4. समस्याओं को कुछ न कुछ हल करनें में स्वयं की प्रतिमा का व्यवहारिक उपयोग करना।
5. प्रजातविक नेतृत्व को क्रियाचित करनें में दक्षता प्राप्त करना।
6. स्वयं को रोजगार के योग्य बनाने के लिए कार्यक्रम विकास में दक्षता प्राप्त करना।
7. शिक्षित और अशिक्षितों के बीच की दूरी को मिटाना।
8. समुदाय के कमजोर वर्ग की सेवा के लिए स्वयं में इच्छाएँ जाग्रत करना।

आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रपत्र अवश्य संलग्न करें-

1

प्रवेश के लिए महाविद्यालय की विवरण पुस्तिका (Prospectus) के साथ संलग्न आवेदन पत्र पर ही आवेदन करें।

- हाईस्कूल अंक पत्र प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि।
- इण्टरमीडिएट अंक पत्र, प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि।
- संस्थागत रूप से इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण करने वाले छात्र/छात्राओं को अंतिम विद्यालय से प्राप्त स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र (टी०सी०) तथा चरित्र प्रमाण–पत्र मूल रूप से संलग्न करना होगा।
- व्यक्तिगत (प्राइवेट) रूप से इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण छात्र/छात्राओं केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा प्रदान किया गया केन्द्र प्रमाण पत्र मूल रूप से संलग्न करना होगा।
- चरित्र प्रमाण–पत्र की मूल प्रति।
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी जाति प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि।
- आधार कार्ड की छाया प्रति।
- पासपोर्ट साइज 5 फोटो।
- LURN पंजीकरण संख्या।
- ब्लड ग्रुप रिर्पोट की प्रतिलिपि

Welcome

प्रवेश लेते समय सावधानियाँ-

- सभी अंकपत्र व प्रमाण पत्र जांच के लिए अवश्य लायें।
- सभी प्रपत्रों की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि अपने साथ अवश्य लायें।
- आवेदन पत्र के साथ संलग्नक तथा आवेदन शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं की जायेगी।
- आवेदन पत्र जमा करते समय ही सभी आवश्यक प्रपत्र संलग्न करें, बाद में कोई प्रमाण–पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- आवेदन पत्र महाविद्यालय द्वारा घोषित अंतिम तिथि तक ही जमा होगा। उसके पश्चायत कोई आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- आवेदन करते समय कृपया जाँच लें
  - आप प्रवेश के लिए अर्हता रखते हैं।
  - प्रवेश आवेदन–पत्र में सभी स्तम्भ सावधानी से भरे हैं।
  - आपने सभी सम्बन्धित प्रपत्रों की स्वप्रमाणित प्रतिलिपियां संलग्न की है।
- सीतापुर जनपद से बाहर के संस्थागत रूप से उत्तीण छात्र/छात्राएं टी०सी० सम्बन्धित जिला विद्यालय निरीक्षक से प्रतिहस्ताक्षरिति करवाकर मूल रूप से संलग्न करें।
- प्रवेश प्रक्रिया से सम्बन्धित कोई सूचना अभ्यर्थी को व्यक्तिगत रूप से नहीं दी जायेगी। छात्र/छात्राएं स्वयं महाविद्यालय आकर नोटिस बोर्ड पर लगी प्रवेश सूचनाएं देखें।
- यदि किसी अभ्यर्थी की प्रवेश प्रक्रिया छूट जाती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी उसकी स्वयं होगी।
- एक बार भुगतान किया गया शुल्क वापस या स्थानान्तरित करना संभव नहीं है।
- महाविद्यालय में फार्म लेने तथा जमा करने मात्र से ही अभ्यर्थी प्रवेश का अधिकारी नहीं होगा। प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर निर्धारित समय सीमा के अंदर शुल्क जमा करने पर ही प्रवेश दिया जायेगा।
- यदि कोई अभ्यर्थी अनुचित योग्यता या तथ्य के आधार पर प्रवेश प्राप्त करता है तो तथ्य के सामने आने पर उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा। तथा नियमानुसार कार्यवाही भी की जा सकती है।
- सभी छात्र/छात्राओं के नियमित रूप से कक्षा में उपस्थिति होनी अनिवार्य है।

महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधायें-

पुस्तकालय एवम् वाचनालय

श्री अंकित वर्मा पुस्तकालयाध्यक्ष व श्री विनोद वर्मा सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष (लाइब्रेरियन) के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में महाविद्यालय के पुस्तकालय का संचालन निरन्तर किया जा रहा है। पुस्तकालय शिक्षक कार्यक्रम की बौद्धिक प्रयोगशाला है प्रत्येक छात्र/छात्रा की जीवन अवधि पुस्तकालय शिक्षण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। महाविद्यालय में इस दायित्व की पूर्ति हेतु एक विस्तृत पुस्तकालय है जिसमें 21,000 पुस्तकें, पत्रिकायें एवं समाचार पत्रों का संग्रह है जो विभिन्न विषयों और क्षेत्रों से सम्बन्धित है सभी छात्र–छात्रायें पुस्तकालय से पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं।

वाई–फाई युक्त परिसर

महाविद्यालय परिसर में सभी छात्र–छात्राओं के लिए मुफ्त वाई–फाई सुविधा उपलब्ध है तथा महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन, प्रत्येक कक्ष, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, एवं जगह–जगह पर सी.सी.टी.वी. कैमरे उपलब्ध हैं।

क्रीडा कार्यक्रम

छात्र–छात्राओं के मानसिक विकास के साथ–साथ शारीरिक विकास, मनोरंजन, खाली समय के सदुपयोग हेतु कालेज में वाह्य एवं आन्तरिक दोनो प्रकार के खेलों की व्यवस्था है जिसके हेतु महाविद्यालय में अर्ह एंव प्रशिक्षित खेल–कूद शिक्षक–शिक्षिका उपलब्ध है।

वाह्य – क्रिकेट, फुटबाल, बैडमिंटन, बालीबॉल, खो–खो, कबड्डी, रस्सीकूद, टग ऑफ वार एथेलेटिक्स आदि।

आंतरिक– कैरम, शतरंज

परामर्श प्रकोष्ठ

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रवेश के समय बी.एस.सी. एवं बी.कॉम. प्रथम सेमेस्टर के छात्र/छात्राओं का विषय चयन हेतु मार्ग दर्शन किया जाता है। साथ ही पूरे सत्र में समय–समय पर विभिन्न विषयों से सम्बन्धित परामर्श छात्र–छात्राओं को प्रदान किया जाता है। छात्र/छात्राओं की कठिनाइयों और समस्याओं के निराकरण का प्रयास भी किया जाता है। छात्र/छात्राओं में जागरूकता उत्पन्न करने तथा उन्हें व्यवसायिक सूचना प्रदान करने हेतु समय–समय पर विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित विशेषज्ञों से व्याख्यान कराये जाते हैं तथा छात्र/छात्राओं के अनुरूप उपलब्ध व्यवसाय की जानकारी भी दी जाती है।

उपचारात्मक

महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं की विषय से सम्बन्धित कठिनाइयों एवं समस्याओं को दूर करने के लिए प्रत्येक विषय की हर कक्षा के लिए परस्पर में दो उपचारात्मक कक्षाएं आयोजित की जाती हैं। कठिनाइयों को दूर करने के अतिरिक्त छात्र/छात्राओं के प्रश्नों को ठीक से समझााने तथा उसके अनुरूप उचित ढंग से उत्तर देने का भी अभ्यास कराया जाता है।

शिकायत निराकरण प्रकोष्ठ

छात्र/छात्राओं की विभिन्न प्रकार की शिकायतों का निराकरण प्राक्टोरियल समिति या शिकायत से सम्बन्धित समिति द्वारा किया जाता है। शिक्षण कार्य से सम्बन्धित शिकायतों का निराकरण प्राचार्य तथा प्रशासनिक समिति के द्वारा किया जाता है।

वाद–विवाद एवं संगोष्ठियों का आयोजन

कालेज में शिक्षण विधि के रूप में व्याख्यान के अतिरिक्त वाद विवाद तथा संगोष्ठियों आदि का आयोजन भी किया जाता है। छात्र एवं छात्राओं के विभिन्न प्रकरणों पर शिक्षक/शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन के पश्चात स्वयं के प्रयास से विषय सामग्री तैयार करते हैं तथा सभी के समक्ष प्रस्तुत करते है। सभी छात्र/छात्राएं वार्तालाप के द्वारा अपने विचार प्रस्तुत करते हैं तथा समस्याओं का समाधान प्राप्त करते हैं।

छात्रवृत्ति एवं आर्थिक सहायता

महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक छात्र/ छात्राओं को प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय द्वारा नियमानुसार 45 प्रतिशत उपस्थिति होने पर कानपुर समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग, आयोग अल्पसंख्यक समुदाय की संस्थाओं द्वारा तथा महाविद्यालय द्वारा सामान्य रूप से निर्धन छात्र/ छात्राओं को छात्रवृत्ति तथा आर्थिक सहायता उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदान की जायेगी।

सहपाठ्येत्तर गतिविधियाँ-

छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु महाविद्यालय में नियमित रूप से कक्षा शिक्षण के अतिरिक्त पाठ्यक्रम तथा पाठ्यसहगामी क्रियाओं का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु निम्नलिखित व्यवस्थायें हैं :

दूरस्थ शिक्षा- कालेज कोड-S1552

सम्बद्ध- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

विशेषताएं

- शिक्षण हेतु शान्ति पूर्ण वातावरण।
- विज्ञान एवं वाणित्य संकाय के अन्तर्गत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम की शिक्षा की व्यवस्था।
- आगन्तुको हेतु प्रतीक्षा कक्ष।
- छात्र/छात्राओं की शिक्षा का उचित प्रबन्ध।
- छात्र/छात्राओं के सतत मूल्यांकन की प्रणाली।
- पाठ्येत्तर क्रियाओं में सहभागिता के माध्यम से छात्र/छात्राओं का सर्वांगीण विकास।
- पर्याप्त संख्या में उच्च योग्यता प्राप्त शिक्षक–शिक्षका वर्ग।
- परिसर में प्राचीन व आधुनिक ग्रन्थों युक्त पुस्तकालय।
- कमजोर वर्ग के छात्र/छात्राओं में छात्रवृत्ति एपं विशेष पुस्तकीय सहायता।
- छात्र/छात्राओं के लिए अलग–अलग शौचालय।

दूरस्थ शिक्षा के प्रोग्राम्स

स्नातकोत्तर (P.G)=M.A.

(HINDI,ENGLISH, HISTORY, SOCIOLOGY) Political Science, Economics, Education Statistics, Sanskrit MSW)

स्नातक (U.G)= B.A, B.Sc, B.Com, B.B.A

डिप्लोमा

- Diploma in Rural Devlopment
- Diploma in Rural Development
- Diploma in Applied Statistics and Computer
- Diploma in Agribusiness Management
- Diploma in Agriculture
- Diploma in Vedic Mathematics

CERTIFICATE COURSES

- CERTIFICATE IN CULTIVATION OF MEDICINAL AND AROMATIC PLANTS.
- CERTIFICATE IN LIVESTOCK PRODUCTION SYSTEM.
- CERTIFICATE IN CHILD CARE AND NUTRITION.
- CERTIFICATE IN NUTRITION AND FOOD.
- CERTIFICATE IN HUMAN RIGHTS.
- CERTIFICATE IN WOMEN EMPOWERMENT AND DEVELOPMENT.
- CERTIFICATE COURSES IN YOGA.
- CERTIFICATE IN FASHION DESIGNING
- AWARENESS PROGRAMMES IN PANCHAYTI RAJ
- CERTIFICATE IN RURAL JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION.
- CERTIFICATE IN APPLIED CRIMINOLOGY.
- CERTIFICATE IN APPLIED STATISTICS & COMPUTER
- AWARENESS PROGRAMMES IN DAIRY FARMING.
- CERTIFICATE IN FORENSIC SCIENCE
- CERTIFICATE POROGAMME IN LABORATORY TECHNIQUE
- CERTIFICATE IN PRINTING TECHNOLOGY

Note : Certificate Programme in - Hindi, Botany, English, Political Science, History, Urdu, Economics, Sociology, Sanskrit, Education, Mathematics, Zoology, Chemistry, Physics, Geography.

उपलब्धियाँ

1. विश्वविद्यालय द्वारा कालेज को आवंटित सीटों पर पारदर्शीरूप से प्रवेश कराना।
2. संस्थागत सभी छात्र/छात्राओं को पूर्णरूपेण छात्रवृत्ति की सुविधा।

महत्वपूर्ण दिवस

1. स्वतन्त्रता दिवस (15 अगस्त)
2. गणतन्त्र दिवस (26 जनवरी)
3. विश्व पर्यावरण दिवस (05 जून)
4. विश्व योग दिवस (21 जून)
5. शिक्षक दिवस एंव हरित दिवस (5 सितम्बर) वृक्षारोपण
6. विश्व एड्स दिवस (1 दिसम्बर)
7. वार्षिकोत्सव
8. अलंकरण समारोह

शुल्क विवरण

समय-समय पर शासन व विश्वविद्यालय द्वारा घोषित शुल्क के आधार पर महाविद्यालय की शुल्क निर्धारित होगी।

आवश्यक सूचना

1. सभी छात्र/छात्राओं तथा अभिभावकों से अनुरोध है कि विवरण पुस्तिका में दी गयी सूचनाएं तथा निर्देशों को ध्यान से पढ़े तथा उनका पालन करें।
2. बी.एस.सी. एवं बी. कॉम प्रथम वर्ष की छात्र/छात्रा को जुलाई के प्रथम सप्ताह में प्रत्येक विषय मे अपना नाम अंकित कराना अनिवार्य है।
3. प्रत्येक चयनित विषय की उपस्थिति पंजिका में नाम अंकित कराने के लिए छात्र/छात्रा को विषय अध्यापक/अध्यापिका के समक्ष उपस्थित हों अन्यथा पहचान-पत्र नहीं बन पायेगा।
4. नवीनतम जानकारी के लिए छात्र/छात्राएं महाविद्यालय के सूचना पट को प्रतिदिन देखें।
5. छात्र/छात्राओं को पुस्तकालय का पूरा लाभ उठाना चाहिए।
6. पहचान पत्र या लाईब्रेरी कार्ड के खोने पर निर्धारित शुल्क जमा करके उसकी प्रतिलिपि प्राप्त की जा सकती है।
7. छात्र/छात्राएं अपनी समस्याओं के समाधान हेतु प्राक्टोरियल समिति से सम्पर्क करें।
8. छात्र/छात्रओं के विकास एवं समय के सदुपयोग हेतु महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार के खेलकूद की भी व्यवस्था है। इच्छुक छात्र/ छात्राएं सम्बन्धित शिक्षक/शिक्षका से सम्पर्क कर इसका लाभ उठायें।
9. परामर्श एवं निर्देशन कार्यक्रम के माध्यम से छात्र/छात्राओं को भविष्य के कार्यक्रम तथा उपलब्ध व्यवसायिक अवसर आदि की जानकारी दी जाती है।
10. महाविद्यालय में होने वाले विभिन्न साहित्यिक तथा पाठडेत्तर क्रियाओं में भाग लेने हेतु छात्र/छात्राएं अपने सदन प्रभारियों से सम्पर्क करें।

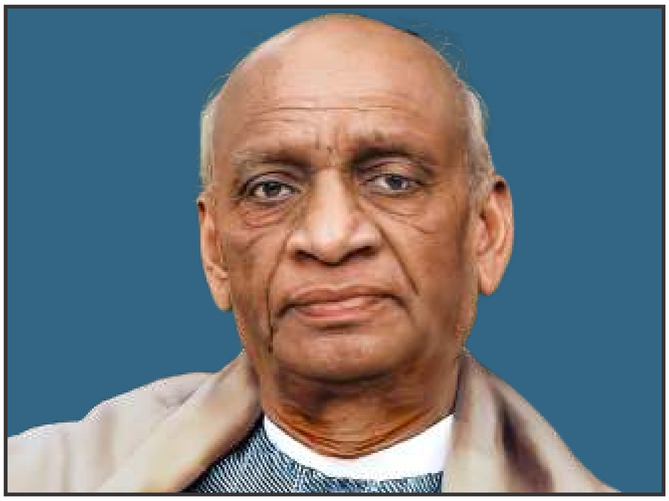

सरदार बल्लभ भाई पटेल जी के अनमोल विचार

- चर्चिल से कहो कि भारत को बचाने से पहले इंग्लैंड को बचाए.
- आपकी अच्छाई आपके मार्ग में बाधक है, इसलिए अपनी आँखों को क्रोध से लाल होने दीजिये, और अन्याय का सामना मजबूत हाथों से कीजिये.
- ऐसे बच्चे जो मुझे अपना साथ दे सकते हैं, उनके साथ अक्सर मैं हंसी-मजाक करता हूँ. जब तक एक इंसान अपने अन्दर के बच्चे को बचाए रख सकता है तभी तक जीवन उस अंधकारमयी छाया से दूर रह सकता है जो इंसान के माथे पर चिंता की रेखाएं छोड़ जाती है.
- जीवन की डोर तो ईश्वर के हाथ में है, इसलिए चिंता की कोई बात हो ही नहीं सकती.
- शक्ति के अभाव में विश्वास व्यर्थ है. विश्वास और शक्ति, दोनों किसी महान काम को करने के लिए आवश्यक हैं.
- इस मिट्टी में कुछ अनूठा है, जो कई बाधाओं के बावजूद हमेशा महान आत्माओं का निवास रहा है.
- यहाँ तक कि यदि हम हजारों की दौलत गवां दें, और हमारा जीवन बलिदान हो जाए, हमें मुस्कुराते रहना चाहिए और ईश्वर एवं सत्य में विश्वास रखकर प्रसन्न रहना चाहिए.
- स्वतंत्र भारत में कोई भी भूख से नहीं मरेगा. अनाज निर्यात नहीं किया जायेगा. कपड़ों का आयात नहीं किया जाएगा. इसके नेता ना विदेशी भाषा का प्रयोग करेंगे ना किसी दूरस्थ स्थान, समुद्र स्तर से 7000 फुट ऊपर से शासन करेंगे. इसके सैन्य खर्च भारी नहीं होंगे. इसकी सेना अपने ही लोगों या किसी और की भूमि को अधीन नहीं करेगी. इसके सबसे अच्छे वेतन पाने वाले अधिकारी इसके सबसे कम वेतन पाने वाले सेवकों से बहुत ज्यादा नहीं कमाएंगे. और यहाँ न्याय पाना ना खर्चीला होगा ना कठिन होगा.
- बोलने में मर्यादा मत छोड़ना, गालियाँ देना तो कायरों का काम है.
- यह हर एक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह यह अनुभव करे की उसका देश स्वतंत्र है और उसकी स्वतंत्रता की रक्षा करना उसका कर्तव्य है. हर एक भारतीय को अब यह भूल जाना चाहिए कि वह एक राजपूत है, एक सिख या जाट है. उसे यह याद होना चाहिए कि वह एक भारतीय है और उसे इस देश में हर अधिकार है पर कुछ जिम्मेदारियां भी हैं.
- बेशक कर्म पूजा है किन्तु हास्य जीवन है. जो कोई भी अपना जीवन बहुत गंभीरता से लेता है उसे एक तुच्छ जीवन के लिए तैयार रहना चाहिए. जो कोई भी सुख और दुःख का समान रूप से स्वागत करता है वास्तव में वही सबसे अच्छी तरह से जीता है.
- शत्रु का लोहा भले ही गर्म हो जाये, पर हथौड़ा तो ठंडा रहकर ही काम दे सकता है.
- कठिन समय में कायर बहाना ढूंढ़ते हैं बहादुर व्यक्ति रास्ता खोजते हैं.
- जीवन में सब कुछ एक दिन में नहीं हो जाता है!
- उतावले उत्साह से बड़ा परिणाम निकलने की आशा नहीं रखनी चाहिये.
- हमें अपमान सहना सीखना चाहिए.
- हर इंसान सम्मान के योग्य है, जितना उसे ऊपर सम्मान चाहिए उतना ही उसे नीचे गिरने का डर नहीं होना चाहिए.
- अविश्वास भय का कारण है.
- मेरी एक ही इच्छा है कि भारत एक अच्छा उत्पादक हो और इस देश में कोई अन्न के लिए आंसू बहाता हुआ भूखा ना रहे.
- एकता के बिना जनशक्ति, शक्ति नहीं है जब तक उसे ठीक ढंग से सामंजस्य में ना लाया जाए और एकजुट ना किया जाए, और तब यह आध्यात्मिक शक्ति बन जाती है.

महाविद्यालय परिवार

श्री संतोष कुमार वर्मा
निदेशक एवं अध्यक्ष

श्री राकेश वर्मा
संस्थापक एवं उपाध्यक्ष

डॉ0 सुधाकर वर्मा
प्रबन्ध निदेशक एवं संरक्षक
M.Sc., P.hD. (Zoology)
M.A., B.Ed., P.hD. (Education)
M.A., NET (History)
M.A., NET (Sociology)

अंकित वर्मा
लाइब्रेरियन

विनोद वर्मा
डिप्टी लाइब्रेरियन

राहुल वर्मा
ओ.एस.डी.
सम्बद्ध–प्रबन्ध निदेशक एवं
कार्यालय अधीक्षक प्रशासनिक

कार्यालय
सत्य प्रकाश
(कार्यालय लिपिक, सम्बद्ध-निदेशक)
शशिकान्त गुप्ता
सहायक कार्यालय लिपिक

पुष्पेन्द्र सिंह
चीफ प्राक्टर/समन्वयक प्रवेश समिति

अंकिता वर्मा
प्रभारी प्रवेश समिति

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी
1. विनोद कुमार
2. बहोरी लाल
3. विष्णु यादव

नन्द किशोर कैलाश चन्द्र महाविद्यालय

टिकरा, बिसवाँ, सीतापुर – 261201

Mob. : 7318144445, 9450795313 ,9936235040, 8299494262
Email : nkkcsitapur@gmail.com Web. : www.nkkcmahavidyalaya.in